आर.एन.आई. नं. RAJBIL/2010/52404

परम पू. कैलाश जी 'मानव'

सेवा सौभाग्य

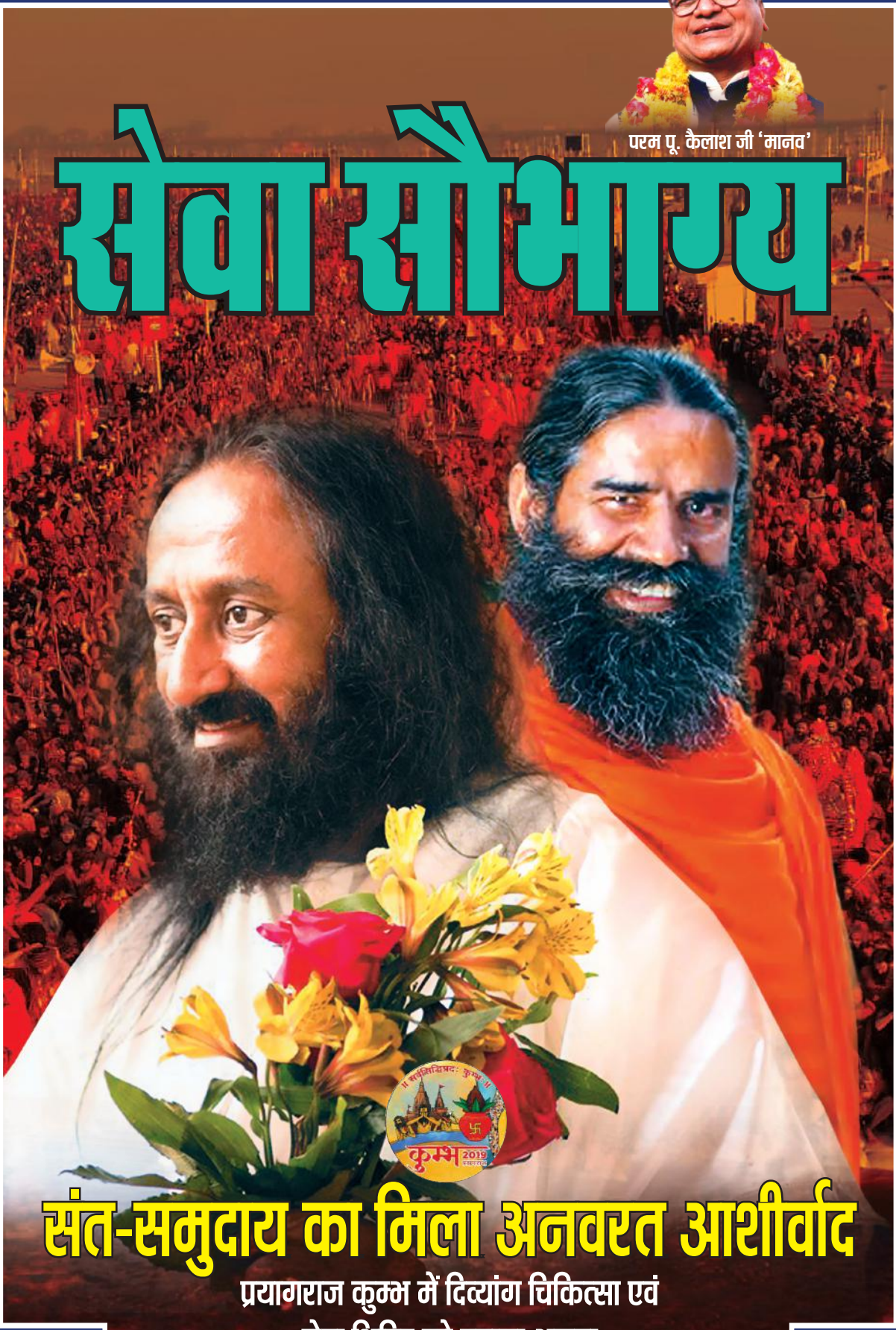

संत-समुदाय का मिला अनवरत आशीर्वाद

प्रयागराज कुम्भ में दिव्यांग चिकित्सा एवं सेवा शिविर को बताया अनूठा

मूल्य » ₹ 5 • वर्ष-08 • अंक » 88 • मुद्रण तारीख » 1 मार्च-2019 • कुल पृष्ठ » 24

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

प्रकृति ही हमारी सच्ची स्वास्थ्य रक्षक है

राजस्थान का कश्मीर कही जाने वाली झीलों की नगरी उदयपुर से 15 कि.मी दूर अरावली पर्वतमाला की सुरम्य वादियों के आंचल में लियों का गुड़ा गांव स्थित नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ परिसर में नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय असाध्य रोगों से ग्रस्त उन महानुभावों को आरोग्य प्रदान कर रहा है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से निराश हो चुके थे तथा इन रोगों को अपनी नियती मानकर अभिशप्त जीवन जी रहे थे। ऐसे ही निराश महानुभावों को संस्थान में पधार कर स्वास्थ लाभ लेने का सादर आमंत्रण है।

- पूर्णतः प्राकृतिक वातावरण में प्राकृतिक चिकित्सा विधि से नाना प्रकार के रोगों का इलाज ।
- चिकित्सालय में भर्ती होने वाले रोगियों की दिनचर्या प्राकृतिक चिकित्सक के निर्देशानुसार निर्धारित होती है।
- रोगियों को उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के अनुसार आहार चिकित्सा दी जाएगी।
- आवास एवं भोजन की सुव्यवस्था।

नेचुरोपैथी के साथ योगा थेरेपी एवं एडवांस एक्यूपंक्चर थेरेपी भी उपलब्ध है। सम्पर्क करें:- 0294 6622222, 09649499999

/nssudaipur /narayansevasansthan /@narayanseva_ narayansevasansthan

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

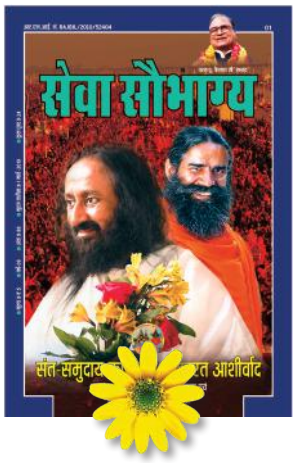

सेवा सौभाग्य
1 मार्च, 2019

वर्ष 08 अंक 88 मूल्य ₹ 05

कुल पृष्ठ » 24

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल
सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल
डिजाइनर » विरेन्द्र सिंह राठौड़

संपर्क (कार्यालय)

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

नारायण सेवा संस्थान

हिरण मगरी, सेक्टर-4
उदयपुर (राज.)-313002
फोन नं. : 0294-6622222
मो नं. : 09649499999

Web » www.narayanseva.org
E-mail » info@narayanseva.org

CONTENTS

इस माह में

पाठकों हेतु

सहाल सीखें अपने प्रति विश्वास जगाना 05

कुम्भ क्षेत्र संत-समुदाय का मिला अनवरत आशीर्वाद 10

सहायता शिविर दिव्यांगों को मिले सहायक उपकरण 14

अन्य स्तंभ

- अपनों से अपनी बात 04
- क्षमताओं को व्यापक बनाएं 06
- माउंट विन्सन पर फहराया तिरंगा 07
- आर्ट एवं क्राफ्ट सेंटर का शुभारम्भ 08
- प्रवासी सम्मेलन में नारायण सेवा 08
- कालिंदी का दुःख होगा दूर 09
- दुनिया देखेगा मुकेश 09
- फिजियोथेरेपी सेन्टर का लोकार्पण 12
- भजन गायकों का संस्थावलोकन 12
- एनसीए का खेल उत्सव 12
- श्री राम-कृष्ण कथा अमृतम् 13
- फरीदपुर में टेलेंट शो 15
- झीनी-झीनी रोशनी 16
- दानवीर भामाशाहों का आभार 16
- दान सहयोग हेतु अपील 17
- शिविर सहयोग 18
- संस्थान के आश्रम 21

अपनों से अपनी बात

पू. कैलाश 'मानव'

पुण्य की मुद्रा

मनुष्य को अपना जन्म सार्थक करने के लिए परोपकार के मार्ग पर चलना चाहिए। जो लोग जीवन में सिर्फ अपना ही हित सोचते हैं-उनका जीवन व्यर्थ है।

एक धनाढ्य सेठ ने एक रात सपने में देखा कि यात्रा के दौरान उसकी कार के ब्रेक अचानक फेल हो गए और कार सैकड़ों फिट गहरी खाई में गिर पड़ी। दुर्घटनास्थल पर ही उसकी मृत्यु हो गई। यमदूत उसे उठा ले गए। स्वर्ग के द्वार पर देवराज इन्द्र ने सेठ का स्वागत किया। सेठ के हाथ में बड़ा-सा बैग देखकर उन्होंने ने सेठ से पूछा- इसमें क्या है? इस पर सेठ ने उत्तर दिया- इसमें मेरे जीवनभर की कमाई है। देवराज ने एक तरफइशारा करके सेठ से कहा- इसे वहां रख आराम कीजिए तत्पश्चात् सेठ ने वहां आराम किया। थोड़ी देर के बाद सेठ स्वर्ग के बाज़ार में निकला। एक दुकान से बहुत-सी वस्तुएँ खरीदने के बाद सेठ ने अपने बैग में से नोट निकाले तो दुकानदार ने कहा कि यह मुद्रा यहाँ नहीं चलती। वह दुकानदार की शिकायत लेकर देवराज के पास गया। देवराज ने उसे समझाया-एक व्यापारी होकर इतना भी नहीं जानते कि एक देश की मुद्रा दूसरे देश में नहीं चलती। आप मृत्युलोक की मुद्रा स्वर्गलोक में खपाना चाहते हो? सेठ रोने लगा। वह बोला कि उसने दिन-रात चैन नहीं लिया, माता-पिता, गरीब-असहायों की सेवा छोड़ दी, पत्नी-बच्चों की सेहत का ध्यान नहीं रखा, किसी की सहायता नहीं की सिर्फ पैसा ही कमाया, पर सब व्यर्थ हो गया। देवराज ने कहा- धरती पर रहकर आपने जो अच्छे कर्म किये हों जैसे- किसी भूखे को भोजन कराया हो, किसी अनाथाश्रम-वृद्धाश्रम में दान दिया हो.....आदि पुण्य ही यहाँ की मुद्रा है। उसी धन से आप स्वर्ग के सुखों का आनंद ले सकते हैं। अन्यथा आपको नर्कलोक जाना होगा। तभी सेठ की नींद खुल गई और उसने जीवन में सद्कर्म का निर्णय लिया। मनुष्य को अपना जन्म सार्थक करने के लिए परोपकार के मार्ग पर चलना चाहिए। जो लोग जीवन में सिर्फअपना ही हित सोचते हैं, उनका जीवन व्यर्थ है।

प्रेरक प्रसंग

'सेवक' प्रशान्त भैया

तूफान का सामना

खरगोश के समान तेज भागकर विश्राम करने से लक्ष्य की प्राप्ति नहीं होती बल्कि कछुए के समान बिना रूके लगातार चलते रहने से ही लक्ष्य हासिल होगा।

लड़की कार चला रही थी। पास वाली सीट पर पिता बैठे थे। कुछ आगे तेज तूफान दिखाई देने लगा। लड़की पिता से बोली- कार रोक दूँ?

पिता ने उत्तर दिया- नहीं, कार मत रोको। चलती चलो। कुछ आगे जाने पर तूफान का वेग और तेज हो गया। लड़की कार पर सही तरीके से नियंत्रण नहीं रख पा रही थी। उसने पिता से पुनः पूछा- अब तो रोक दूँ? उसने देखा कुछ कारें वहीं सड़क के किनारों पर खड़ी थीं और उनके चालक तूफान के गुज़रने के इंतज़ार में थे। बहुत मुश्किल से वह स्टेयरिंग पर नियंत्रण रखती हुई, पिता की आज्ञानुसार लगातार कार चलाती रही और 2-3 किमी. आगे जाने के बाद पिता ने उसे कार रोकने के लिए कहा। कौतूहलवश वह पिता से पूछ बैठी- आपने उस समय रूकने के लिए क्यों नहीं कहा जब मैं तूफान में बड़ी मुश्किल से कार चला पा रही थी और अब आप रूकने के लिए कह रहे हैं, जबकि तूफान गुज़र चुका है।

इस पर पिता ने कहा- ज़रा पीछे मुड़कर देखो। लड़की ने देखा तो पाया कि पीछे तूफान का वेग बढ़ गया है जबकि वह तूफान को पार करके आगे निकल चुके हैं। पिता ने बेटी को समझाया- परिस्थिति बेहतर होने की प्रतीक्षा में लोग जीवनभर वहीं रह जाते हैं जबकि जो लोग तूफान के बीच से रास्ता बनाते हुए आगे आगे बढ़ते हैं, वे ही सफल होते हैं और अपने लक्ष्य को प्राप्त करते हैं। मित्रों! सतत् रूप से किये गये छोटे-छोटे प्रयासों से बड़े से बड़ा लक्ष्य भी प्राप्त किया जा सकता है। खरगोश के समान तेज भागकर विश्राम करने से लक्ष्य की प्राप्ति नहीं होती बल्कि कछुए के समान बिना रूके लगातार चलते रहने से ही लक्ष्य हासिल होगा। राह में बाधाएँ कितनी ही क्यों न आएँ परंतु प्रयास सदैव अनवरत् होने चाहिए। चरेवैती। चरेवैती।

सलाह

सीखें अपने प्रति विश्वास जगाना

विश्वास जीवन के हर पड़ाव में महत्वपूर्ण है।लेकिन कई बार आपके अतिविश्वसनीय होने के बावजूद लोगों पर आपको विश्वास करना मुश्किल हो जाता है। लेकिन कुछ ऐसे व्यवहार भी हैं जो किसी को भी उसके दोस्तों , फेमिली , पार्टनर यहां तक कि सहकर्मियों को अपने ऊपर विश्वास करने के लिए मजबूर कर सकते हैं। तो देखिए कि क्या आपके व्यवहार में ये विशेषताएं शामिल हैं या इनमें से किसी को अपनाने की जरुरत है?

मस्त रहें

एक अच्छे मित्र के साथ अपना खाली समय बिताना अच्छी बात है। लेकिन खूब सारे दोस्त होने में भी कोई बुराई नहीं है। लोग आमतौर पर उन्हीं पर विश्वास करते हैं जिनके अच्छे दोस्त होते हैं या दोस्तों के दोस्त होते हैं। दूसरे शब्दों मे कहें तो एक मस्त व्यक्ति बनें, जिसके दोस्त हों।

चीजों को समय पर पूरा करें

अगर आपने किसी तयशुदा वक्त में किसी काम को पूरा करने का वादा किया है तो फिर उसे हर हाल में पूरा करें। यदि आपने किसी के साथ जाने या किसी काम को करने का वादा किया है तो आपातकालीन परिस्थितियों को छोड़कर उसके साथ जरुर जाएं। अपने वादे पूरे करने व डेडलाइन्स के भीतर काम करने से लोगों का आप पर विश्वास बढ़ेगा।

शर्मिंदा होने में बुराई नहीं

कोई भी व्यक्ति अपने आप में पूर्ण नहीं है इसलिए आपके लिए स्थिति कभी ज्यादा तो कभी कम शर्मिंदा करने वाली हो सकती है। इस स्थितियों से आपके निपटने का तरीका आपकी विश्वसनीयता को दिखाता है। अगर आप इनमें तनावग्रस्त हो जाते हैं या चिढ़ने लगते हैं तो लोग आप पर भरोसा नहीं करेंगे। एक बार इस स्थिति को पूरी शिष्टता से स्वीकार कर लेंगे तो आप खुद को विश्वसनीय बना पाएंगे।

आंखों का संपर्क बनाएं

एक आम धारणा जो कभी कभार गलत भी साबित होती है कि अगर कोई व्यक्ति आपसे आंखे नहीं मिला रहा है तो वह आपसे कुछ छिपा रहा है। यह धारणा आधारहीन है फिर भी लोग उस पर विश्वास करते हैं। ऐसे में अगर आप लोगों से सौम्यता के साथ आंखों का संपर्क रखेंगे तो आप उनकी नजर में खुद को ईमानदार और विश्वसनीय दिखा पाएंगे।

क्षमा-याचना

अगर आप किसी को कोई रिक्वेस्ट कर रहें हैं तो अपनी बात को 'आई एम सॉरी' से भी शुरु कर सकते हैं। ऐसा करने से आप खुद को आसानी से विश्वसनीय साबित कर पाते हैं। उदाहरण के लिए अगर आपके मोबाइल की बैटरी बंद हो गई है और आपको घर पर फोन करना है तो किसी से फोन मांगने के लिए अपनी रिक्वेस्ट की शुरुआत आई एम सॉरी से कर सकते हैं।

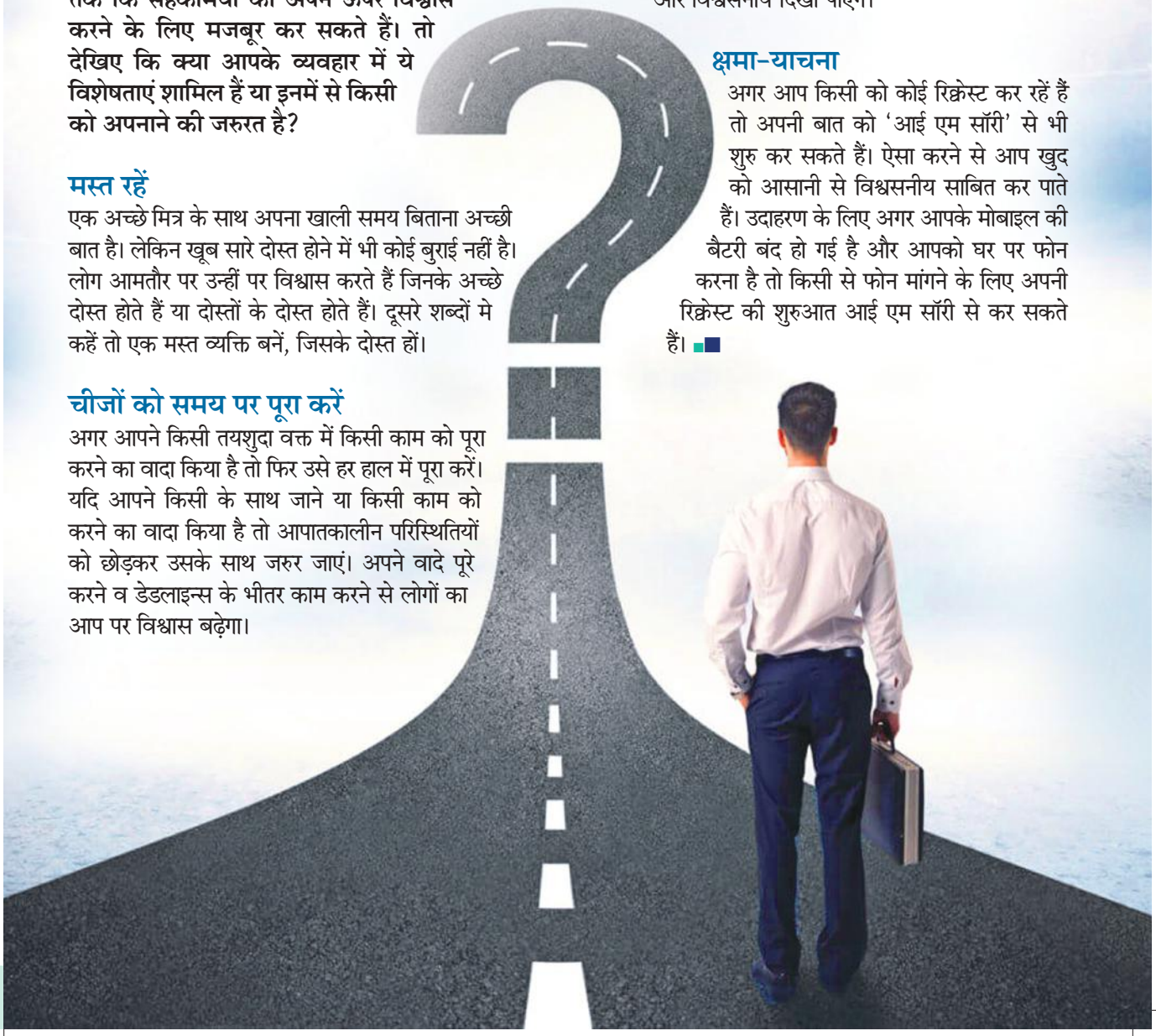

महत्वाकांक्षा

क्षमताओं को व्यापक बनाएं

ऊर्जा व उद्देश्य रखने वाले सफलता पाते हैं। जो माता - पिता कठिन परन्तु वास्तविक चुनौतियों का सामना करते हैं, वे सफलता का अनुमोदन करते हैं, सफलता को सहज लेते हैं और उनके बच्चे अधिकतम आत्मविश्वासी होते हैं।

समय आने पर संसार सभी प्रश्नों का उत्तर पा जाता है। सपनों को जीना आरंभ करने पर शक्ति आती है। प्रत्येक संघर्ष में मील का पत्थर बनने के लिए महत्वाकांक्षा जीवन का प्राणतत्व है। महत्वाकांक्षा सबसे दृढ़ एवं रचनात्मक शक्ति है। जीवन का अर्थ महत्वाकांक्षा है। यह उर्जा और दृढ़ता का समन्वय है। जहां स्पष्ट लक्ष्य नैतिक संरचना के साथ होते हैं।जीतना या प्राप्त करना सभी को प्रिय लगता है। जीतना गति की तीव्रता को कई गुना बढ़ाता है। जीतने पर अगली बार की चुनौतियों के लिए और अधिक तैयार होने के लिए अवसर मिल जाता है। जो कुछ भी पहले से है, उससे संतुष्ट न होना ही महत्वाकांक्षा है। क्षमताओं और निपुणताओं को व्यापक करने के लिए क्रिया और आगे बढ़ने का प्रयास अनिवार्य है। चुनौतियां लेना महत्वाकांक्षा की प्रक्रिया का एक भाग है। मानव व्यवहार के सभी संवेगों में महत्वाकांक्षा सबसे शक्तिशाली है। इसमें बहुत कुछ खोना भी पड़ता है। चुनौतियां काम को अधिक संतोषजनक बनाती है। महत्वाकांक्षा सभी में पायी जाती है, पर इसका एक पैमाना होता है जिस पर निर्भर करता है कि कितनी दूर जाने की इच्छा है और कितने में प्रसन्नता कायम रह सकती है। महत्वाकांक्षा ऊर्जा व दृढ़ता है परन्तु यह लक्ष्यों को पूर्ण करने का आमंत्रण भी है।

ऊर्जा व उद्देश्य रखने वाले सफलता पाते हैं।जो माता - पिता कठिन परन्तु वास्तविक चुनौतियों का सामना करते हैं, वे सफलता का अनुमोदन करते हैं, सफलता को सहज लेते हैं और उनके बच्चे अधिकतम आत्मविश्वासी होते हैं। सुख के सूत्र की यह उड़ान मूल्यवान है।मनुष्य से बड़ा कोई सत्य नहीं है। पुरुषार्थ में आस्था, विश्वास और संघर्ष की विजय का संदेश छिपा रहता है। किसी को पकड़कर कभी कोई शिखर पर नहीं पहुंचता।

लघु कथा

नया और बेहतर करें

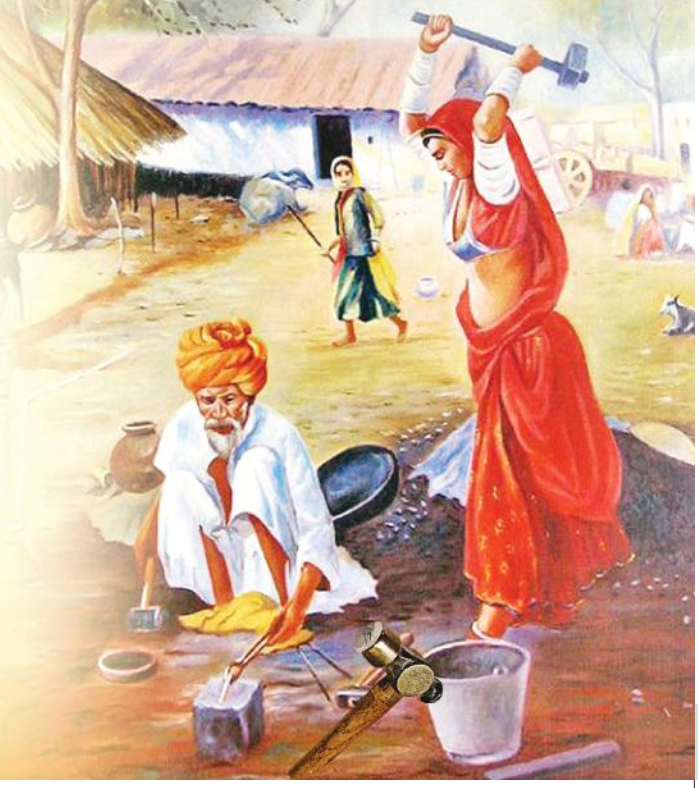

एक लौहार ने बढ़ई के लिए कुछ हथौड़े बनाए। उनकी बहुत तारीफ हुई उसके बाद एक ठेकेदार ने उसे ज्यादा दाम पर कई और हथौड़े बनाने का काम सौंपा। पर इस शर्त के साथ कि हथौड़े पहले की तुलना में बेहतर होने चाहिए।इस पर लुहार ने यह कहते हुए हथौड़े बनाने से मना कर दिया कि मैं अपने हर काम में सौ प्रतिशत देता हूं और इससे अच्छे हथौड़े बनाने का वादा करने का अर्थ यह मानना होगा कि मैंने पहले वाले हथौड़ों में कोई कमी छोड़ी थी। जाहिर है, लौहार ने अपने सीखने के रास्ते बंद कर लिए थे। हर काम में अपना सौ प्रतिशत देना चाहिए। मगर आपने अपने काम को सर्वश्रेष्ठ मानकर बेहतरी, का प्रयास करना ही छोड़ दिया तो आगे बढ़ने और तरक्की करने के रास्ते बंद हो जाएंगे। हर काम में नया और बेहतर करने की गुंजाइश हमेशा होती है।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

उड़ान

माउंट विन्सन पर दिव्यांग ने फहराया तिरंगा

➲ कृत्रिम पैर के सहारे 3 जनवरी को माउंट विन्सन चोटी पर अरुणिमा सिन्हा ने तिरंगा लहराया। कृत्रिम पैर के सहारे अरुणिमा अभी तक 6 प्रमुख चोटियों को फतह कर चुकी हैं। अरुणिमा ने ट्वीटर पर लिखा कि 'आप सभी की दुआओं और प्यार के लिए शुक्रिया, जय हिन्द। उल्लेखनीय है कि अरुणिमा दुनिया की पहली ऐसी दिव्यांग महिला हैं जिन्होंने अंटार्कटिका के सबसे ऊंचे शिखर माउंट विन्सन को फतह किया है। उनकी कामयाबी पर प्रधानमंत्री ने हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि आप देश का गौरव हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत के दम पर एक नया मुकाम हासिल किया है। 'एक कृत्रिम पैर के सहारे अरुणिमा सिन्हा अभी तक एवरेस्ट, किलीमंजारो, एलबूस, कास्टेन पिरामिड, किजाश्को और माउंट अंककागुआ पर्वत चोटियों पर फतह हासिल कर चुकी हैं।

विश्व रिकॉर्ड की तैयारी

➲ राजस्थान के राजसमन्द जिले के केलवा गांव के दिव्यांग तैराक जगदीश तैली ने इंग्लिश चैनल पार करने के बाद अब कैलिफॉर्निया अमेरिका के कैटलीना चैनल को पार करने का लक्ष्य बनाया है। इसके लिए वे जी जान से तैयारी में जुटे हैं। उल्लेखनीय है कि उनका 24 जून 2018 को अन्य तीन दिव्यांग तैराकों के साथ इग्लिश चैनल को पार करने का लिम्का बुक में रिकॉर्ड दर्ज है। इंडियन पैरा रिले टीम इंग्लिश चैनल के रिकॉर्ड से बहुत उत्साहित है। इसलिए ही इसने अपना अगला लक्ष्य कैटलीना चैनल को बनाया है। राजस्थान से वे एक मात्र पैरा स्वीमर हैं, जबकि टीम के अन्य सदस्य महाराष्ट्र के चेतन गिरधर राउत,ग्वालियर से सत्येन्द्र सिंह और पश्चिम बंगाल से रिमो साहा हैं। कैटलीना चैनल 42 कि.मी लम्बा है। इस विश्व रिकॉर्ड की खास बात यह होगी कि वही रिले टीम इस चैनल को पार करेगी, जिसने इंग्लिश चैनल पार किया है। चैनल के लिए पुणे में कोच रोहन मोरे ट्रेनिंग दे रहे हैं। इस चैनल को पार करने में अनुमानित 12 से 15 घंटे का समय लगता है। जगदीश और टीम को इंग्लिश चैनल पार करने में 12 घंटे 26 मिनट का समय लगा था।

लोक कथा

अहंकार का परिणाम दुख

➲ एक गांव में एक मूर्तिकार रहता था। वह ऐसी मूर्तियां बनाता था जिन्हें देख कर हर किसी को मूर्तियों के जीवंत होने का भ्रम हो जाता था । उस मूर्तिकार को अपनी कला पर बहुत अभिमान था। जीवन के सफर में एक वक्त ऐसा भी आया जब उसे लगने लगा कि अब उसकी मृत्यु होने वाली है। वह परेशानी में पड़ गया। उसने यमदूतों को भ्रमित करने के लिए एक योजना बनाई। उसने हूबहू अपने जैसी दस मूर्तियां बनाई और खुद उन मूर्तियों के बीच जाकर बैठ गया। यमदूत उसे लेने आए तो एक जैसी 11 आकृतियों को देखकर दंग रह गए। वे पहचान नहीं कर पा रहे थे कि उन मूर्तियों में से मनुष्य कौन है। अचानक एक यमदूत को मानव स्वभाव के सबसे बडे दुर्गुण अहंकार को परखने का विचार आया। उसने मूर्तियों को देखते हुए कहा,'कितनी सुन्दर मूर्तियां हैं लेकिन मूर्तियों में एक त्रुटी है।' यह सुनकर मूर्तिकार का अहंकार जाग उठा। वह बोल उठा, 'कैसी त्रुटी?' झट से यमदूत ने उसे पकड़ लिया और कहा, 'बस यहीं गलती कर गए तुम अहंकार में,मूर्तियां बोला नहीं करती।' इस कहानी से सबक मिलता है कि अहंकार ने हमेशा मनुष्य को परेशानी और दुख ही दिया है।

हस्त शिल्प

आर्ट एवं क्राफ्ट सेंटर का शुभारंभ

निराश्रित एवं दिव्यांग बालकों को आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से नारायण सेवा संस्थान के हिरणमगरी सेक्टर-4 स्थित मानव मंदिर परिसर में 1 फरवरी को संस्थापक-चेयरमैन पद्मश्री कैलाश जी 'मानव' व संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने 'दिव्य हिरोज' आर्ट एवं क्राफ्ट सेंटर का उद्घाटन किया।

सेंटर में दिव्यांग बच्चों को हस्तशिल्प का 6 माह का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। संस्थान द्वारा निःशुल्क पोलियो करेक्टिव सर्जरी, युवा दिव्यांगो के लिए रोजगारपरक विभिन्न प्रशिक्षणों व उनके पुर्नवास के साथ ही दिव्यांग बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इस नई परियोजना को शुरू किया गया है। कार्यक्रम को पूज्य श्री कैलाश जी 'मानव', सहसंस्थापिका श्रीमती कमलादेवी जी अग्रवाल, निदेशक वंदना जी अग्रवाल व आकाशवाणी के कार्यक्रम अधिशासी श्री राजेन्द्र जी सेन ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत प्रभारी दल्लाराम पटेल व गोपेश शर्मा ने तथा संचालन ओमपाल सीलन ने किया।

प्रवासी सम्मेलन में नारायण सेवा

वाराणसी के प्रवासी सम्मेलन में अतिथियों के साथ दिव्यांग बच्चें

वाराणसी में 21-23 जनवरी, 2019 को भारत सरकार द्वारा आयोजित प्रवासी भारतीय सम्मेलन में नारायण सेवा संस्थान द्वारा दिव्यांगो की सेवा और सहायता को दर्शाने वाली स्टॉल को व्यापक सराहना मिली। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया व निदेशक श्रीमती वंदना अग्रवाल ने सम्मेलन में भाग लिया। स्टॉल में संस्थान द्वारा दिव्यांगों को उपलब्ध निशुल्क चिकित्सा और सहायक उपकरणों की प्रदर्शनी लगाई गई। अतिथियों के सम्मुख दिव्यांग बच्चों ने मन मोहक प्रस्तुतियां दी। स्टॉल का उत्तराखण्ड की राज्यपाल बैबीरानी मौर्य सहित अनेक भारतीय प्रवासियों, अधिकारियों और राजनेताओं ने अवलोकन किया।

शहादत को सलाम

श्रद्धांजलि अर्पित करते संस्थान अध्यक्ष व साधकगण

जम्मू - कश्मीर के पुलवामा में पाकिस्तान समर्थक आतंकवादियों द्वारा 14 फरवरी को सेना पर हुए एक बड़े हमले में शहीद सैनिकों को नारायण सेवा संस्थान ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। संस्थान संस्थापक श्री कैलाश जी 'मानव' व अध्यक्ष श्री प्रशांत जी अग्रवाल ने इस कायराना हमले की निंदा करते हुए इसे सम्पूर्ण मानवता पर हमला बताया। शहीद हुए बिनोल (राजसमंद) के वीर सपूत श्री नारायण गुर्जर के निवास पर संस्थान के प्रतिनिधि शीतल अग्रवाल व भूपेन्द्र गौड़ पहुंचे और शहीद की पत्नी श्रीमती मोहनी देवी जी व बच्चों हेमलता व मुकेश को सान्त्वना प्रदान करते हुए परिवार को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

चिकित्सा सहायता

कालिंदी का दुःख होगा दूर

बिहार के गोपालगंज की रहने वाली कालिंदी की दांयी आँख के ऊपर गांठ होने से उसे दिखाई देना बिलकुल बंद हो गया था। यह गांठ जन्मजात थी, जो उम्र के साथ बढती गई और 33 साल की उम्र तक पहुंचते वह इतनी बड़ी हो गई कि वह आँख के आगे तक लटकने लगी। इससे उसे चेहरे पर भी बोझ महसूस होता था और दैनिक कार्यो में काफी तकलीफ होती थी। पति दिहाड़ी मजदूरी कर पांच सदस्यीय परिवार का भरण-पोषण व डॉक्टरों के अनुसार दवा में खर्च करते रहे, किन्तु इस जटिल रोग से निवारण का विकल्प सिर्फ सर्जरी था। जिसमें खर्च का जुगाड़ इस गरीब परिवार के बस में नही था। उधर कालिंदी की तकलीफ से पूरा परिवार दुखी था। उन्हें किसी सज्जन ने नारायण सेवा संस्थान से मदद लेने की सलाह दी। संस्थान अब तक अनेक बच्चों व लोगों के जटिलतम उपचार में दानवीरों के माध्यम से सहयोग कर चुका है। पति-पत्नी ने उदयपुर आकर संस्थान सेवक प्रशांत भैया से भेंट की और उन्हें अब तक के इलाज और रोग और परिवार के आर्थिक हालातों से उन्हें अवगत कराया। संस्थान ने तत्काल दानवीरों से सम्पर्क कर कालिंदी को इस जटिल समस्या से राहत दिलाने के लिए ऑपरेशन खर्च की व्यवस्था करवाई।

निखिल को मिला जीने का सहारा

नागपुर (महाराष्ट्र) निवासी निखिल उखरांड (32) कूल्हे में दर्द की समस्या से काफी समय से परेशान थे। परिवार में वे एवं उनकी माता हैं। खराब स्वास्थ्य के कारण मां-बेटे चाय की थड़ी लगाकर अपना पेट पालते हैं। डॉक्टर के अनुसार निखिल के कूल्हे की हड्डी पूरी तरह गल चुकी है। इसी वजह से उन्हें उठने - बैठने एवं सोने में दिक्कत आती है। इससे राहत का एक मात्र विकल्प ऑपरेशन है, जिस पर करीब 2 लाख रूपये का खर्च होगा। बूढी माँ के लिए यह खर्च उठाना असम्भव था। तभी किसी परिचित ने उन्हें नारायण सेवा संस्थान के विभिन्न निःशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी। इस पर उन्होंने उदयपुर आकर संस्थान को निखिल के खराब स्वास्थ्य एवं परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति से अवगत कराकर मदद की मांग की। स्थिति की गंभीरता को समझते हुये संस्थान ने दानदाताओं के सहयोग से निखिल का ऑपरेशन करवाया जो सफल रहा।

दुनिया देखेंगे मुकेश

जन्म से ही आंखों की रोशनी से वंचित मुकेश (16) दूसरे ऑपरेशन के बाद अपनी आंखो से दुनिया देख सकेंगे। डॉक्टर के इस आश्वासन के बाद नारायण सेवा संस्थान ने उनके ऑपरेशन का खर्च वहन करने का जिम्मा उठाया। चितौड़ के जन्मजात प्रज्ञाचक्षु इस बालक का नाना-नानी ने पालन-पोषण किया और बाद में उसे नारायण सेवा संस्थान ने पढाई के लिए गोद लिया। यहां पढ़-लिखने के साथ ही आंखों का एक ऑपरेशन भी कराया गया।दूसरे ऑपरेशन के लिए डॉक्टर के अनुसार 16000 रु का खर्च उपलब्ध कराया गया है।पूर्व के ऑपरेशन के लिए 31000 रु की मदद की गई थी। मुकेश वर्तमान में जयपुर के एक संस्थान में संगीत एवं नृत्य की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

कुम्भ क्षेत्र

संत-समुदाय का मिला अनवरत आशीर्वाद

दिव्यांग चिकित्सा एवं सेवा शिविर को बताया अनूठा

प्रयागराज के कुंभ मेला क्षेत्र में नारायण सेवा संस्थान की ओर से 1लाख वर्ग फिट में श्रद्धालुओं के आवास, भोजन, सत्संग एवं दिव्यांगजन की सहायतार्थ निःशुल्क चिकित्सा एवं सेवा शिविर स्थापित किया गया है। जिसका उद्घाटन संस्थान-संस्थापक आचार्य महामण्डलेश्वर पूज्य श्री कैलाश जी 'मानव', व अध्यक्ष सेवक श्री प्रशांत भैया ने किया। इस दौरान संस्थान निदेशक श्रीमती वंदना अग्रवाल ट्रस्टी-निदेशक श्री देवेन्द्र जी चौबीसा, शिविर प्रभारी अनिल आचार्य, डॉ.ए.एस.चूण्डावत, महिम जैन, रोहित शर्मा, कुलदीप शेखावत, गोविन्द शर्मा आदि भी उपस्थित थे।

स्वच्छता आर्मी का गठन

महाकुंभ क्षेत्र में 17 जनवरी को नारायण सेवा मित्र स्वयं सेवक प्रकल्प का उद्घाटन प्रयागराज के विधायक संजय गुप्ता ने किया। ये स्वयं सेवक व्हील चेयर आर्मी और स्वच्छता आर्मी के रुप में काम करते हुए शिविर के चिकित्सा प्रकोष्ठ में निशुल्क ऑपरेशन के लिए आने वाले दिव्यांगों की मदद के साथ ही मेला क्षेत्र में सफाई एवं स्वच्छता में सहयोग कर रहे हैं। गुप्ता ने कुंभ क्षेत्र में इस तरह के सेवा शिविर को महत्वपूर्ण एवं पीड़ित मानवता की सेवा करने वाला बताया। संस्थापक चेयरमैन पूज्य मानवजी ने उत्तरप्रदेश शासन द्वारा मेले के कुशल प्रबंधन की सराहना की। इससे पूर्व जूना पीठाधीश्वर पूज्य अवधेशानन्द गिरी जी ने सेवा शिविर में दिव्यांग शल्य चिकित्सा ईकाई का उद्घाटन किया।

मेला प्रशासक का दौरा

प्रयागराज महाकुंभ मेला प्रशासक जे.पी मिश्रा ने भी सेवा एवं चिकित्सा शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग एवं केलिपर कार्यशाला तथा पूर्व पोलियोग्रस्त बच्चों की पोलियो करेक्टिव सर्जरी को देखा और प्रशंसा की। आस्था चैनल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री प्रमोद जी जोशी ने भी शिविर का अवलोकन किया। इस अवसर पर संस्थान निदेशक

देवेन्द्र चौबीसा और प्रवक्ता रोहित शर्मा भी उपस्थित थे।

पधारीं राज्यपाल

उत्तराखण्ड की राज्यपाल श्रीमती बेबीरानी मौर्य ने 25 जनवरी को निःशुल्क पोलियो करेक्टिव सर्जरी केंप का उद्घाटन किया। उन्होंने केलिपर्स वर्कशॉप के अवलोकन के साथ ही श्रीमद् भागवताचार्य शाश्वत जी महाराज से कथा विश्राम के दौरान आशीर्वाद प्राप्त किया। उनके साथ समाजसेवी श्री सत्यभूषण जैन भी थे। प्रयागराज विधायक संजय गुप्ता, उप मेला अधिकारी राजीव राय व भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के सचिव राकेश मिश्रा ने भी शिविर का अवलोकन किया तथा पूज्या विश्वेश्वरी देवीजी द्वारा की जा रही हरि कथा में भाग लिया। शिविर प्रभारी अनिल आचार्य ने उनका स्वागत किया।

स्वामी रामदेव जी ने सराही सेवाएं

सेवा एवं चिकित्सा शिविर में 2 फरवरी को योग गुरु स्वामी रामदेवजी ने दिव्यांगों के निशुल्क शल्य चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के साथ अपने 20 वर्षों के जुड़ाव को याद करते हुए संस्थापक श्री कैलाश जी मानव तथा अध्यक्ष श्री प्रशांत जी के सेवा कार्यों की सराहना की। संस्थान निदेशक श्री देवेन्द्र जी चौबीसा ने उनका स्वागत करते हुए संस्थान के निशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी। इस दौरान भागवताचार्य डॉ.संजय कृष्ण जी सलिल, श्री संजीव कृष्ण जी ठाकुर और श्री सतुआ बाबा भी उपस्थित थे।

जन की पूजा ही जनार्दन पूजा

सेवा एवं चिकित्सा शिविर में आर्ट ऑफ लिविंग के प्रणेता श्री श्री रविशंकर जी और लेबनान के राजदूत राबी नार्ष ने 3 फरवरी को दिव्यांगों के निःशुल्क शल्य चिकित्सा शिविर का अवलोकन किया। संस्थान द्वारा संचालित केलिपर वर्कशॉप व प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर श्री श्री रविशंकर जी ने कहा कि नारायण सेवा संस्थान दिव्यांगों और गरीबों के चेहरे पर मुस्कान लाने का कार्य कर रहा है, उन्होंने कहा कि जन की पूजा ही जनार्दन पूजा है। इस दौरान भागवताचार्य डॉ.संजय कृष्ण जी सलिल, श्री संजीव कृष्ण जी ठाकुर व श्री दयालु जी महाराज भी उपस्थित थे।

कुंभ के दौरान संस्थान के सेवा शिविर में दिव्यांगों के निशुल्क पोलियो करेक्टिव ऑपरेशन एवं अन्य सेवा कार्यों के साथ प्रतिदिन भजन, सत्संग, कथा ज्ञान यज्ञ एवं राम कृष्ण लीलाओं के आयोजन भी हो रहे हैं। दिल्ली के मनोज - रिया ग्रुप के कलाकार जहां लीलाओं एवं अन्य भक्तिभरक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दे रहे हैं, वही संस्थान संस्थापक आचार्य महामण्डलेश्वर पूज्य श्री कैलाश जी मानव, संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया, साध्वी भारती जी, पूज्य राधा किशोरी जी, यामिनी देवी जी, पूज्य शाश्वत जी महाराज, साध्वी विश्वंभरा जी, पूज्या प्राची देवी जी, भागवताचार्य डॉ. संजय कृष्ण जी सलिल, श्रीधराचार्य जी, पूज्य संजीव कृष्ण जी ठाकुर, पूज्य दयालु जी महाराज, शिवाकांत जी महाराज, सुमन किशोरी जी , पूज्य बृजनन्दन जी महाराज, पूज्य विनोद जी चतुर्वेदी, श्री रामकृष्ण जी महाराज, श्री बालव्यास जी आदि सन्त- महात्माओं व साध्वियों ने विविध कथाओं का पारायण किया। प्रसिद्ध भजन गायक श्याम प्रेमी नन्दू भैया, भागवताचार्य पूज्य राजीव कृष्ण जी भारद्वाज व श्री अरविन्द जी महाराज ने भी शिविर का अवलोकन किया।

संस्थान समाचार

फिजियोथैरेपी सेन्टर का लोकार्पण

➲ महाराष्ट्र के भायन्दर-ईस्ट थाणे में संस्थान एवं श्री उमराव सिंह जी ओस्तवाल के संयुक्त तत्वावधान में ओसवाल बगीचा में कृत्रिम अंग वितरण शिविर व दिव्यांग टेलेंट शो संपन्न हुआ। शिविर में निशुल्क फिजियोथैरेपी सेन्टर का उद्घाटन संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल ने किया। अध्यक्षता समाजसेवी उमराव सिंह जी ओस्तवाल ने की। विशिष्ट अतिथि कान्तीलाल जी बाबेल, हरि सिंह जी नाहर, दिनेश जी चौधरी, अनिल जी बोहरा, सीमा जी पारिख, भावना जी तिवाड़ी, नरवाना शाखा अध्यक्ष धर्मपाल जी गर्ग व समाजसेवी कमल जी लोढ़ा थे। शिविर में पी एण्ड ओ डॉ. नाथू सिंह जयपुर व उनकी टीम ने परीक्षण कर 17 दिव्यांगों के बनाने के लिए नाप लिए। संस्थान के वरिष्ठ साधक श्री दल्लाराम पटेल व रोहित तिवारी ने शिविरार्थी दिव्यांगों एवं अतिथियों का स्वागत किया। साधक हरिप्रसाद लढढ़ा ने संचालन किया।

भजन गायकों द्वारा संस्थावलोकन

➲ नारायण सेवा संस्थान के बड़ी स्थित लियो का गुड़ा स्थित चैनराज सावंतराज पोलियो हॉस्पीटल में पिछले माह सुप्रसिद्ध भजन गायक दिनेश वैष्णव छापरी, कमलेश राव साकरोदा, चीनूदास वैष्णव, रमेश वैष्णव व साथी कलाकारों ने जन्मजात पोलियोग्रस्त बच्चों के निःशुल्क चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया। 24 जनवरी के उक्त आयोजन के बाद 2 फरवरी को जानी-मानी भजन गायिका मधुबाला राव ने भी संस्थान का अवलोकन कर निःशुल्क ऑपरेशन से स्वस्थ हुए पूर्व पोलियोग्रस्त बच्चों से मुलाकात की व उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। कार्यक्रम का संचालन आदित्य चौबीसा ने किया।

क्रीड़ागंन

एनसीए का खेल उत्सव

➲ संस्थान की नारायण चिल्ड्रन एकेडमी व भगवान महावीर निराश्रित बालगृह के बच्चों का वार्षिक खेल उत्सव 19 जनवरी को संस्थान के डबोक स्थित भूमिमाता परिसर में संपन्न हुआ। खेल उत्सव में 300 बच्चों ने भाग लिया। विशिष्ट अतिथि श्री नानालाल नागदा ने कहा कि खेल का मैदान जीवन को सही ढंग से जीने की कला सिखाता है। रामावि धूणीमाता के प्रधानाचार्य संजय कुमार ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ नियमित खेलकूद भी आवश्यक हैं। इस अवसर पर श्री शांतिलाल जी, श्री नारायणलाल जी, श्री मांगीलाल जी व श्री नारुलाल जी भी उपस्थित थे। खेल उत्सव में तीन टांग दौड़, 100 मीटर दौड़, लेमन स्पून रेस, क्रिकेट बॉल थ्रो, जलेबी रेस, लंबी कूद, होपिंग रेस, बोरा रेस आदि प्रतियोगिताएं हुई। एनसीए के प्राचार्य श्री महिपाल सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

सत्संग

श्री राम -कृष्ण कथा अमृतम्

प्रयागराज के कुंभ मेला क्षेत्र में संस्थान के सेवा शिविर में 13 से 15 जनवरी 2019 तक पूज्य गुरुदेव श्री कैलाश जी 'मानव' ने 'श्रीराम- कृष्ण कथा अमृतम्' में व्यासपीठ से जो विचार व्यक्त किए उन्हें यहां संक्षिप्त रुप से प्रस्तुत किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन श्री महिम जैन ने किया।

प्रेम ही सुखद् परिवार की नींव

सुख और दुख शरीर को होता है, आत्मा को नहीं। जीवन में ऐसा कार्य करते रहें जिससे हमें सत्य की प्राप्ति हो। भगवान की कृपा से मिले धन का उपयोग भगवान के कार्य में भी करें और दुखी और पीड़ितों का सहारा बनें ताकि जीवन संवर सके। जिस व्यक्ति ने सत्य छोड़ दिया उस व्यक्ति के पास कभी धन-लक्ष्मी नहीं रुकती, क्योंकि लक्ष्मी को सदा सत्य प्रिय है। सत्य का मार्ग ही भगवान की कृपा पाने का मार्ग है। परमात्मा के प्रति श्रद्धा व विश्वास रखने से संकल्प की पूर्ति में सफलता मिलती है। मनुष्य को हमेशा समाज व परिवार के लिए अपना दायित्व निभाते रहना चाहिए। हमारी सबसे बड़ी विडम्बना दूसरों की ओर देखना है, अपने आपको कोई नहीं देखता, यदि हम अपने आपको देखकर अपनी भूलों का सुधार कर लें तो कभी दुखी नहीं होंगे। अपने आपसे प्रेम करते हुए यदि हम प्रभु के शरणागत हो जाएं तो वे हमारी हर समस्याओं के निदान में सहायक बनेंगे। समय बड़ा बलवान है, उसे समझना बहुत कठिन है। जब श्रीराम के राज्याभिषेक की तैयारियां चल रही थीं, तब किसी को नहीं पता था कि उन्हें राजगद्दी की बजाए 14 वर्ष के लिए वनवास भुगतना पड़ेगा। जिस परिवार में प्रेम स्नेह,अपनत्व,सकारात्मक सोच है वहीं परमात्मा प्रकट होते हैं। प्रेम परिवार की नींव है, और जिस परिवार में स्नेह, प्रेम, शांति व सुख होता है वह परिवार मंदिर के समान है, जहां मंदिर है परमात्मा वहां स्वतः आ जाते हैं। चरित्र के तीन रूप हैं विचार, भावना व क्रिया। क्रिया से चरित्र बनता है, चरित्र से विचार और विचार से भाव उत्पन्न होता है। इनके समन्वय से ही व्यक्तित्व बनता है।

विधिक शिविर

दिव्यांगों को मिले सहायक उपकरण

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम पंचायत मेनार के राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में 21 जनवरी को संपन्न विधिक सेवा शिविर में नारायण सेवा संस्थान की ओर से जन्मजात व दुर्घटना से अंग विहीन हुए 8 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग एवं 10 प्रशिक्षित दिव्यांगों को मोबाईल सुधार किट व सिलाई प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले 10 युवक-युवतियों को सिलाई मशीनों सहित टूल किट वितरित किए गए। 6 ट्राई साईकिलों का वितरण भी किया गया। केलिपर वर्कशॉप भी लगाई गई। विधिक सेवा शिविर की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला सत्र न्यायाधीश माननीय रविन्द्र कुमार माहेश्वरी ने की। मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक श्री कैलाश चन्द्र विश्नोई थे। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव एवं अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश रिद्धिमा शर्मा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वल्लभनगर सावित्री आनंद निर्भीक व वल्लभनगर बार अध्यक्ष मुकेश मेनारिया विशिष्ट अतिथि थे। नारायण सेवा संस्थान द्वारा दिव्यांगजन के हितार्थ प्रायोजित विभिन्न सेवा प्रकल्पों की जानकारी वरिष्ठ साधक दल्लाराम पटेल व फतह सिंह चौहान ने देते हुए अतिथियों का स्वागत किया।

सहायता शिविर

कुआं प्यासे के पास

मऊ में दिव्यांग चयन शिविर

संस्थान की ओर से 13 जनवरी 2019 को मऊ के डीसीएसके महाविद्यालय परिसर में भारत विकास परिषद के सहयोग से जन्मजात पोलियोग्रस्त बच्चों व किशोर- किशोरियों के निशुल्क ऑपरेशन के लिए चयन एवं जरुरतमंदों के लिए सहायक उपकरण वितरण शिविर लगाया गया। जिसमें कुल पंजीकृत 161 दिव्यांगों में से ऑपरेशन योग्य 34 का चयन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्री मुहम्मद तैयब पालकी थे। अध्यक्षता भारत विकास परिषद,मऊ की अध्यक्ष डॉ. अलका रॉय व विशिष्ट अतिथि वाराणसी शाखाध्यक्ष प्रदेश मंत्री नरेश जी, श्री रमेश जी लालवानी, मुख्य विकास अधिकारी श्री आशुतोष त्रिवेदी, डीसीएस स्कूल के प्राचार्य श्री ए.के मिश्रा जी व प्रान्तीय उपाध्यक्ष श्री अशोक जी अग्रवाल थे। अतिथियों का स्वागत प्रभारी श्री हरिप्रसाद लढ्ढा ने किया। अतिथियों ने 15 दिव्यांगजन को ट्राई साइकिल, 5 को व्हील चेयर, 44 को कैलिपर्स तथा 20 को बैसाखियों का वितरण किया। संस्थान के डॉ पंकज कुमार ने दिव्यांगों की जांच की ।

फरीदाबाद में कृत्रिम अंग वितरण

नारायण सेवा संस्थान व अग्रवाल समाज सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान फरीदाबाद में आयोजित शिविर में जिन दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग लगाने के लिए नाप लिए गए थे, उन्हें 12 जनवरी 2019 को सेक्टर 21 डी के महाराजा अग्रसेन मंदिर में आयोजित शिविर में कृत्रिम अंग प्रदान कर दिए गए। 37 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग एवं 18 को केलीपर्स प्रदान किए गए। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री ओमप्रकाश जी बंसल ने किया। अध्यक्षता अग्रवाल समाज के महासचिव श्री आनन्द जी गुप्ता ने की। विशिष्ट अतिथि श्री जय प्रकाश जी बंसल, श्री मुरारी लाल जी गर्ग, श्री एस .एस जैन, श्री सुरेश जी गर्ग व श्री संजय जी गोयल थे। अतिथियों का स्वागत संस्थान के शाखा अध्यक्ष श्री नवल किशोर जी गुप्ता ने किया। संस्थान के पी एण्ड ओ लोकेन्द्र सिंह ने दिव्यांगों की जांच की।

रामपुर में 320 दिव्यांगजन की जांच

रामपुर (उ.प्र) के राजारानी वैंक्वेट हॉल में 2 फरवरी को आयोजित शिविर में 320 दिव्यागजन का पंजीयन हुआ। जिनका संस्थान के चिकित्सक डॉ. पी बेहरा ने जांच कर 29 का निशुल्क पोलियो करेक्टिव सर्जरी के लिए चयन किया। मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य ठा. रामवीर सिंह थे। भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री राम प्रकाश लोधी ने अध्यक्षता की।

विशिष्ट अतिथि श्रणिक फूड प्रा. लि के श्री मुकेश कुमार, समाजसेवी हरपाल सिंह, श्रीमती सरोज देवी,श्री सोनू रस्तोगी व सोहन लाल राजपूत थे। शिविर प्रभारी हरि प्रसाद लढढ्ढा व भरत भटट् ने अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया। शिविर में 12 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग(हाथ-पांव), 15 को ट्राईसाइकिल, 5 को व्हील चेयर व 20 को बैसाखी की जोड़ियां प्रदान की गई।

औरंगाबाद में कृत्रिम अंग नाप शिविर

नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान एवं रमणीक भाई-प्रेम जी भाई पटेल के सौजन्य से 5 फरवरी 2019 को महाराष्ट्र के औरंगाबाद स्थित अभिषेक अपार्टमेंट में कृत्रिम अंग नाप शिविर संपन्न हुआ। शिविर में 53 अंग विहीन (कटे हुए हाथ-पांव) का पंजीयन हुआ। जिनमें से पी एण्ड ओ डॉ. श्रीनिवास.के ने परीक्षण कर 37 दिव्यांगों के कृत्रिम अंग बनाने के लिए नाप लिए। चयनित दिव्यागों को 12 मार्च को कृत्रिम अंग वितरित होंगे। शिविर प्रभारी साधक फतेह सिंह ने शिविर का संचालन किया।

स्नेह मिलन

फरीदपुर में टेलेंट शो

उत्तरप्रदेश के बरेली जिला के फरीदपुर शहर में 4 फरवरी को स्नेह मिलन एवं टेलेंट शो का आयोजन किया गया। श्री सनातन धर्म सत्संग भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में संस्थान के सहयोगी भामाशाहों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महानुभावों ने दिव्यांग जगदीश व योगेश के शारीरिक कला कौशल पर काफी देर तक तालियों की गड़गडाहट के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। समारोह के विशिष्ट अतिथि श्री राजीव जी अग्रवाल, श्री महावीर शरण जी, श्री हरि प्रकाश जी अग्रवाल, श्री सतीश जी वर्मा, श्री अरविन्द जी अग्रवाल, श्री मोहित जी गर्ग, श्री रमेश चन्द्र जी, श्री सुभाष जी पूनिया थे। कार्यक्रम प्रभारी राजेन्द्र यादव व हरि प्रसाद लढढ़ा ने अतिथियों व भामाशाहों का अभिनन्दन किया। संचालन ओमपाल सीलन ने किया।

डॉ. खुशबू वर्मा को 'ब्राइट एजुकेटर अवार्ड'

इन्टरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑर्गनाइज्ड रिसर्च ने अपने 12 ओ.आर अवार्ड के अन्तर्गत डॉ. खुशबू वर्मा को प्लांट बायोटैक्नोलॉजी एण्ड मॉलिकुलर बायोलॉजि फिल्ड में योगदान देने के लिये,उन्हें 12 ओ.आर ब्राइट एजुकेटर अवार्ड 2018 से सम्मानित किया। नारायण सेवा संस्थान के अलवर शाखा अध्यक्ष एवं राजस्थान प्रान्त प्रभारी . आर.एस.वर्मा की सुपुत्री डॉ. खुशबू वर्मा निवासी लादिया बाग अलवर वर्तमान में जयपुर में ज्योति विद्यापीठ महिला यूनिवर्सिटी में असिस्टैंट प्रोफेसर के पद पर है।' उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में पूर्व में' यंग साइंटिस्ट अवार्ड ' एवं बैस्ट असिस्टैंट प्रोफेसर अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया जा चुका है। एक बेटी ने अपने माता पिता का नाम रोशन के साथ साथ अलवर का भी गौरव बढ़ाया है ।

श्रद्धांजलि

कृष्णा देवी जी का निधन

नारायण सेवा संस्थान के सहयोगी-भामाशाह पंकज जी बिंदलिश निवासी कैथल (हरियाणा) की पूजनीय माता श्रीमती कृष्णा देवी जी का असामयिक निधन 10 जनवरी को हो गया। वे धर्मप्राण महिला थी। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र, पुत्रवधू पलक तथा पौत्र संयम सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं। संस्थान ईश्वर से मृतात्मा की शांति एवं परिवार को धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना करता है।

सेवायात्रा

झीनी-झीनी रोशनी (4)

➲ नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक-चेयरमैन परमपूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का माता-पिता श्रीमती सोहनी देवी जी व पिताश्री मदनलाल जी अग्रवाल के सेवा-संस्कारों से पोषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय और उदाहरणीय है। संकल्पित और समर्पित सेवा धर्म ने उन्हें सामाजिक व धार्मिक सेवा क्षेत्र में अनेक सम्मानों से विभूषित किया। जिनमें भारत सरकार द्वारा पद्म (पद्मश्री) एवं संत समाज द्वारा 'आचार्य महामण्डलेश्वर' सम्मान भी शामिल है। बचपन से ही सेवा के संस्कारों से पल्लवित कैलाश जी के अत्यन्त निकट रहे वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश जी गोयल ने उनके जीवन-वृत को 'झीनी-झीनी रोशनी' नामक पुस्तक में अत्यन्त सहज, सरल और भाव प्रणव भाषा में लिखा है।

बेटे की बात सुन मदन ने उसे गले लगा लिया और प्यार से समझाया कि पड़ौस के बच्चे बहुत गरीब हैं इसलिए उन्हें ज्यादा दिया, उन्हें प्रसाद तो क्या रोटी तक भी कभी-कभी नहीं मिल पाती। तुम्हें तो आए दिन मिठाई मिल जाती है इसीलिए उनका हक ज्यादा बनता है। पिता की बात कैलाश के मन में उतर गई और अचानक पड़ौस के बच्चों के लिए उसके मन में करुणा जाग उठी। कैलाश जब दो साल का रहा होगा तभी उसकी एक आंख की रोशनी चली गई। बच्चे गिल्ली-डंडा खेल रहे थे और कैलाश एक तरफबैठ उन्हें देख रहा था। अचानक एक बच्चे के डंडे ने गुल्ली मारी तो गुल्ली का नुकीला हिस्सा उसकी आंख में घुस गया। खून आने लगे, छोटा मोटा उपचार भी किया मगर कुछ लाभ नहीं हुआ और एक आंख जाती रही। स्कूल जाता तो अन्य बच्चों की तरह कैलाश को भी एक पाई मिलती थी। एक पाई एक आने का सोलहवां हिस्सा होती थी। जबकी एक आना रुपये का सोलहवां हिस्सा। बाजार में आदिवासी महिलाएं टोकरियों में भर कर बेर लाती और बेचती थी। लाल-लाल छोटे-छोटे इन बेरों को चणबोर कहते थे। कैलाश अपनीएक पाई से बेर खरीद लेता और अपनी जेबों में भर लेता। महिलाएं दिन-भर बैठी रहती और शाम तक सब बैर बिक जाते तो अपने घर लौटती। कैलाश को उन पर बहुत दया आती थी। उनके कटे-फटे हाथ-खुरदरी उंगलियां देख वह सोचता कि उसके पास एक पाई और होती तो इनको देकर और बेर ले लेता जिससे ये जल्दी घर चली जाती। धनी-मनी लोग भी इन गरीब आदिवासियों से थोड़े से ज्यादा बेरों के लिए मोलभाव कर झगड़ते तो कैलाश को अचरच होता की इन लोगों के पास पैसों की कोई कमी नहीं फिर भी ऐसा बर्ताव क्यूं करते हैं। एक दिन कैलाश ने बापू जी से 5 दिनों के पैसे एक साथ ले लिये, और वह पांचों पाईयां बेर वाली को देने लगा, बोला बेर नहीं चाहिये आप ऐसे ही ले लो तो उसने लेने से इन्कार कर दिया, बोली ऐसे कैसे ले सकते हैं, हम भी धरम से डरते हैं। एक आंख खराब हो गई तो स्कूल में बच्चे उसे काण्या- काण्या कहकर चिढ़ाते और उसका मजाक उड़ाते तो कैलाश को बहुत बुरा लगता । बाई से शिकायत करता तो वह रोने लगती और उसे अपनी छाती से लगा लेती। हम लड़ने झगड़ने वाले नहीं हैं, कहते हैं तो कहने दे, फिर भी तुझे गुस्सा आता है तो तू भी उनहें एकाध बात कह दे, पर ऐसा करना क्या तुझे अच्छा लगेगा। मां की बात सही थी, कैलाश अपना अपमान चुपचाप सह सकता था मगर प्रतिकार नहीं कर सकता था।

क्रमशः

दिव्यांगजन की चिकित्सा में सहायता के लिए आपश्री का हार्दिक आभार

श्री विपिन गुप्ता
कांगड़ा
(हिमाचल प्रदेश)

श्री जे.सी. साहब
पठानकोट
(पंजाब)

श्री सुदामा शंकर जी-
सौ. सुशीला जी, नासिक
(महाराष्ट्र)

श्री राज कुमार गुप्ता-श्रीमती
अरूणा कुमारी
बदायूँ (उत्तर प्रदेश)

श्री महेन्द्र पाल अग्रवाल-स्व.
श्रीमती सरला अग्रवाल, दिल्ली

श्री अभय सिंह राठौड़-
श्रीमती मोहन कंवर
जयपुर (राजस्थान)

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

Donate

दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों की करें मदद - बनें पुण्य के भागी

संस्थान के सभी सेवा प्रकल्पों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए दानी सज्जनों की आवश्यकता है। आपश्री द्वारा प्रदान किये गये सहयोग का सदुपयोग दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के ऑपरेशन, दवाई, भोजन एवं शिक्षा की सेवा में किया जाता है।

क्र.सं.	दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों की संख्या	प्रति ऑपरेशन (धर्म माता-पिता)	प्रति ऑपरेशन दवाई	एक माह				सहयोग राशि (रु)	सर्वांग सेवा एक मुश्त सहयोग राशि(रु)
				भोजन	शिक्षा	हुनर	स्पोर्ट्स		
01	1	5000	1100	1500	500	400	600	9100	8100
02	2	9500	2200	3000	1000	800	1200	18200	16200
03	3	13000	3300	4500	1500	1200	1800	27300	24300
04	5	21000	5500	7500	2500	2000	3000	45500	40500
05	11	45000	12100	16500	5500	4400	6600	99500	89100
06	21	85000	23100	31500	10500	8400	12600	191100	170100
07	51	190000	56100	76500	25500	20400	30600	464100	413100

बनें नित्यदानी पालनहार भामाशाह

मासिक पालनहार भामाशाह	त्रैमासिक पालनहार भामाशाह	अर्द्धवार्षिक पालनहार भामाशाह	वार्षिक पालनहार भामाशाह

आपश्री द्वारा प्रदान किये गये सहयोग का सदुपयोग दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के ऑपरेशन, दवाई, भोजन एवं शिक्षा की सेवा में किया जाता है।

'निःशुल्क दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ सामूहिक विवाह समारोह' हेतु करें सहयोग

जोड़ा संख्या	मेहंदी	श्रृंगार	पोशाक	बिन्दौली वरमाला	वर-माला	पणि-ग्रहण संस्कार	उपहार	बारात आवा-गमन	भोजन (6 व्यक्ति) 3 दिन	कुल सहयोग राशि (रु)	आंशिक कन्या दान (एक मुश्त)	कन्या दान धर्म माता-पिता (एक मुश्त)
1	1000	5500	6500	3100	1100	10000	16800	5000	6000	55000	21000	51000
2	2000	11000	13000	6200	2200	20000	33600	10000	12000	110000	42000	102000
3	3000	16500	19500	9300	3300	30000	50400	15000	18000	165000	63000	153000
5	5000	27500	32500	15500	5500	50000	84000	25000	30000	275000	105000	255000
11	11000	60500	71500	34100	12100	110000	184800	55000	66000	605000	231000	561000
21	21000	115500	136500	65100	23100	210000	352800	105000	126000	1155000	441000	1071000
51	51000	280500	331500	158100	56100	510000	856800	255000	306000	2805000	1071000	2601000

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

शिविर सहयोग

आपश्री अपने जन्म स्थल या कर्म भूमि पर शिविर का आयोजन कराकर पीड़ित मानवता की सेवा करें।

क्र.सं.	शिविर प्रकार	सहयोग राशि
01	विशाल निःशुल्क दिव्यांग जांच एवं चयन शिविर	51000
02	विशाल निःशुल्क दिव्यांग जांच एवं चयन एवं उपकरण वितरण शिविर	151000
03	विशाल निःशुल्क कृत्रिम अंग निर्माण एवं वितरण शिविर	500000
04	विशाल निःशुल्क दिव्यांग शल्य चिकित्सा शिविर	700000
05	विशाल निःशुल्क अन्न, वस्त्र एवं दवा वितरण शिविर	101000

आजीवन संरक्षक

आजीवन संरक्षक सहयोग राशि - 51000 रुपये

1- आपश्री द्वारा प्रदान किया गया सहयोग संस्थान के कॉरपस फण्ड (स्थायी निधि) में जमा होगा, जिसका उपयोग दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों की सेवा में किया जायेगा।
2- आपश्री वर्ष में 2 बार 4 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3- आपश्री वर्ष में अधिकतम 8 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4- आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5- आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6- आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7- आपश्री की उक्त सुविधाओं की वैधता अवधि अधिकतम 14 वर्ष रहेगी।
8- डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
9- इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

आजीवन सदस्य

आजीवन सदस्य सहयोग राशि - 21000 रुपये

1- आपश्री द्वारा प्रदान किया गया सहयोग संस्थान के कॉरपस फण्ड (स्थायी निधि) में जमा होगा, जिसका उपयोग दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों की सेवा में किया जायेगा।
2- आपश्री वर्ष में 1 बार 2 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3- आपश्री वर्ष में अधिकतम 3 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4- आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5- आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6- आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7- आपश्री की उक्त सुविधाओं की वैधता अवधि अधिकतम 14 वर्ष रहेगी।
8- डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
9- इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

हृदय रोग एवं गम्भीर बीमारियों से पीड़ित मासूमों के लिये करें सहयोग

संख्या	सहयोग राशि
1 बच्चे के ऑपरेशन हेतु प्रारम्भिक सौजन्य	1,25,000
1 बच्चे के ऑपरेशन हेतु आंशिक सौजन्य	31,000
1 बच्चे के ऑपरेशन हेतु दवाई सौजन्य	21,000

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें-0294-6622222

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग

(वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)

अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ अथवा दिवंगत परिजनों की पुण्यस्मृति में दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु सहयोग कर इस दिन को यादगार बनायें....यह राशि संस्थान के कॉरपस फण्ड(स्थायी निधि) में जाती है, जिसके ब्याज से प्राप्त राशि से आजीवन वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग करवाई जायेगी । आपश्री स्वयं पधारकर अपने कर-कमलों से निवाला खिलायें।

क्र.सं.	विवरण	सहयोग राशि
01	नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37000
02	दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30000
03	एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15000
04	नाश्ता सहयोग राशि	7000

दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण हेतु सहयोग राशि

क्र.सं.	दिव्यांग सहायक उपकरण	1 नग	2 नग	3 नग	5 नग	11 नग
01	श्रवण यंत्र	750	1500	2250	3750	8250
02	वैशाखी	500	1000	1500	2500	5500
03	वॉकर	1100	2200	3300	5500	12100
04	केलीपर	2000	4000	6000	10000	22000
05	व्हील चेयर	4000	8000	12000	20000	44000
06	तिपहिया साईकिल	5000	10000	15000	25000	55000
07	कृत्रिम हाथ/पैर	10000	20000	30000	50000	110000
08	स्कूटी	85000	170000	255000	425000	935000

एनएसएस पैरा स्पोर्ट्स एकेडमी

(वॉलीबॉल, बॉस्केटबॉल, बैडमिन्टन, चैस, टेबलटेनिस)

भारत के प्रतिभाशाली दिव्यांग खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की सुविधा उदयपुर में प्रदान करने हेतु संस्थान द्वारा एनएसएस पैरा स्पोर्ट्स एकेडमी का निर्माण किया जा रहा हैं जिसमें सभी प्रकार के खेलों में खिलाड़ियों को प्रशिक्षित कोच द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा। इस हेतु 27 बीघा (लगभग 9 एकड) जमीन ली गई हैं, जिसके लिए भूदानियों एवं निर्माण सहयोगियों की आवश्यकता हैं। आपश्री भूदानी एवं निर्माण सहयोगी बनने का सुअवसर प्राप्त कर सकते हैं। आपका शुभनाम शिलालेख पर स्वर्ण अक्षरों में अंकित किया जायेगा। इस एकेडमी पर तकरीबन 10 करोड़ का खर्च आना हैं। अतः भूदानी एवं निर्माण सहयोगी बनकर अधिक से अधिक सहयोग कर दिव्यांग बच्चों को ओलम्पिक के लिए प्रशिक्षित करने हेतु प्रोत्साहित करायें।

क्र.सं.	विवरण	सहयोग राशि
01	भूदान सहयोगी	21000 रूपये
02	निर्माण सहयोगी	51000 रूपये

दानवीर भामाशाह

1. आपश्री के कार्ड की वैधता अधिकतम 7 वर्ष रहेगी।
2.आपश्री वर्ष में 4 बार 6 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3. आपश्री वर्ष में अधिकतम 28 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4. आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5. आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6. आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7. डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
8. इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

1. आपश्री के कार्ड की वैधता अधिकतम 4 वर्ष रहेगी।
2. आपश्री वर्ष में 2 बार 3 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3. आपश्री वर्ष में अधिकतम 10 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4. आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5. आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6. आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7. डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
8. इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

1. आपश्री के कार्ड की वैधता अधिकतम 5 वर्ष रहेगी।
2. आपश्री वर्ष में 3 बार 4 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3. आपश्री वर्ष में अधिकतम 15 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4. आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5. आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6. आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7. डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
8. इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

1. आपश्री के कार्ड की वैधता अधिकतम 3 वर्ष रहेगी।
2. आपश्री वर्ष में 1 बार 2 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3. आपश्री वर्ष में अधिकतम 4 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4. आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5. आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6. आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7. डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
8. इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

नारायण सेवा संस्थान

नर सेवा नारायण सेवा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

आगरा (उ.प्र.)
श्री सुरेश कुमार जी
मो. 09837371298
बी-41, बालाजी पुरम, अलबतियाँ रोड़, शाहगंज, पो.-भोगीपुरा, आगरा (उ.प्र.)

जयपुर, चौगान स्टे.
श्री मनीष कुमार खण्डेलवाल
मो. 8696002432, बी-16
गोविन्ददेव कॉलोनी, चौगान स्टेडियम के पीछे, गणगौरी बाजार, जयपुर (राज.)

इलाहाबाद
श्री बदरी लाल शर्मा
मो. 09983674371
बिल्डिंग नं. - 191-बी/1ई, लक्ष्मी निवास राजरूपुर, इलाहाबाद

वाराणसी
श्री रमेश चन्द लालवानी
मो. 09415228263
सी-19, भुवनेश्वर नगर कॉलोनी, वाराणसी

राजकोट
श्री तरूण नागदा
मो. 09529920083
भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी चौक शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लोक नं. 15/2 युनीवसीटी रोड़, राजकोट (गुजरात)

चण्डीगढ़
श्री ओमप्रकाश गौतम
मो. 9316286419
म.नं.-3658, सेक्टर-46/सी, चण्डीगढ़

कोलकाता
श्री प्रकाश नाथ मो. 09529920097,
श्री मुकेश भटनागर, मो.07412060406
म.नं.-226, ए ब्लोक, ग्राउण्ड फ्लोर, लेक टाऊन कोलकाता-700089

गुरुग्राम
श्री गणपत रावल
मो.-09529920084
973/3 गली न. 3 राजीव नगर ईस्ट, राज टेलर के सामने, गुरूग्राम (हरियाणा)

पूणे
श्री सुरेन्द्रसिंह झाला
मो. 09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे-16

मुम्बई
श्री ललित लौहार
मो. 9529920088
श्री मुकेश सैन
मो.- 09529920090
श्री जमना शंकर
मो.-09529920089
श्री आनन्द सिंह
मो. 07073452174
एफ 1/3, हरि निकेतन सोसायटी, सीएचएस लि., अपोजिट बसन्त1 गैलेक्सी, गौरेगांव वेस्ट, मुम्बई

भारत में संचालित संस्थान की शाखाएं

जालना (महाराष्ट्र)
श्रीमती विजया भूतड़ा, मो. 02482-233733

बिलासपुर (छ.ग.)
डॉ. योगेश गुप्ता, मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर (छ.ग.)

महोबा शाखा
श्रीमान राम आसरे-मो.-9935232257
सिन्धी कॉलोनी, गाँधीनगर-महोबा (उ.प्र.)

जुलाना मण्डी
श्रीराम निवास जिन्दल,
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878, 108 अनाज मण्डी, जुलाना, जींद (हरियाणा)

धनबाद (झारखण्ड)
श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द, पो.-गोसाई बलिया, जिला-हजारीबाग (झारखण्ड)

परभणी (महाराष्ट्र)
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

पावोरा (महाराष्ट्र)
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

शाहदरा शाखा
श्रीमान विशाल जी अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास, शाहदरा, ईस्ट दिल्ली

बालोतरा (राज.)
श्री चेतनप्रकाश गोयल/9460666142
उज्जवल भवन, बाड़मेर कलेण्डर रोड़, बालोतरा

नागपुर
श्री हेमन्त मेघवाल, मो. 09529920092
पी.एन. 37, गोराले लेआउट, बस स्टेण्ड के पास, गोपाल नगर, नागपुर (महाराष्ट्र)

नरवाना (हरियाणा)
श्री धर्मपाल गर्ग, मो.-09466442702,
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग मो.-9728941014
165-हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी नरवाना, जीन्द

सुमेरपुर (राज.)
श्री गणेश मल विश्वकर्मा, मो. 09549503282
अंचल फाउण्डरी, स्टेशन रोड़, सुमेरपुर, पाली

अम्बाला केन्द
श्री मुकुट बिहारी कपूर, मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्द, अम्बाला केन्द-133001(हरियाणा)

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता, मो. 9829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी चित्तौड़ रोड़, बून्दी (राज.)

पाली/जोधपुर
श्री कान्तिलाल मूथा, मो. 07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़ (राज.)

मुम्बई
श्री कमलचन्द लोढ़ा, मो. 08080083655
दुकान नं 660, आर्किडसिटी सेन्टर, द्वितीय मंजिल, बेस्ट डिपो के पास, बेलासिस रोड़, मुम्बई सेन्ट्रल (ईस्ट) 400008

मथुरा
श्री दिलीप जी वर्मा, मो. 08899366480
09027026890, 1, द्वारिकापुरी, कंकाली, मथुरा (उ.प्र.)

सिरसा, हरियाणा
श्री सतीश जी मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20, पार्ट-द्वितीय, सिरसा, हरि.

मुम्बई
श्री प्रेम सागर गुप्ता, मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2 क्रोस रोड़, वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी, न.-028847991
9029643708, 10-बी/बी, वाईसराय पार्क, ठाकुर विलेज कान्दीवली, मुम्बई

मुम्बई (कान्दिवली)
श्री चिमनभाई मेहता, मो. 09930356227
56/58 जनसुख अपार्टमेन्ट, 5 फ्लोर, कस्तूरबा रोड़, मुम्बई कान्दिवली (प.) 400067

हापुड़ (उ.प्र.)
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस, कबाड़ी बाजार, हापुड़

हाथरस (उ.प्र.)
श्री दास बृजेन्द्र, मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन, सादाबाद

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता मो. 09873722657
कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल, मो. 09829769960
C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001 (राज.)

हमीरपुर
श्री रसील सिंह मनकोटिया, मो. 09418061161
जामलीधाम, पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा, मो. 09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़, झोटवाड़ा, जयपुर 302012 (राजस्थान)

आकोला
श्रीमान हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला (महाराष्ट्र)

आगरा शाखा
श्रीमान ओम प्रकाश जी अग्रवाल
मो.नं. -9897068974, 64ए ओल्ड विजयनगर कॉलोनी, आगरा (उ.प्र.)

काठमाण्डू, नेपाल
श्री संदीप माखरिया, 09779851021098

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन, मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग (झारखण्ड)

खरसिया
श्री बजरंग बंसल, मो.-09329817446
शान्ति डेंसेज, नियर चन्दन तालाब शनि मन्दिर के पास, खरसिया (छ.ग.)

नांदेड़ (सेवा प्रेरक)
श्री विनोद लिंबा राठोड, 07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम, मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़, महाराष्ट्र

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,
मो.-09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी
अपर शिव शक्ति नगर जम्मू-180001

दीपका, कोरबा (छ.ग.)
श्री सूरजमल अग्रवाल, मो. 09425536801

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा,
मो.-09024749075, के.वी. पब्लिक स्कूल, 35 लादिया, बाग अलवर (राज.)

कैथल
श्री सतपाल मंगला,
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,
मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040 (हिमाचलप्रदेश)

भोपाल
श्री विष्णु शरण जी सक्सेना,
मो. 09425050136
A-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल (म.प्र.)

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

रायपुर
श्री भरत पालीवाल, मो. 7869916950
मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2
श्रीरामनगर, पो.-शंकरनगर, रायपुर, छ.ग.

अम्बाला
श्री गिरीश त्रिवेदी, मो. 7023101160
सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला (हरियाणा)

देहरादून
श्री मुकेश जोशी, मधुर विहार, 7023101175
फेज-2, बंजारावाला रोड़, बंगाली कोठी के पास, देहरादून-248001

रोहिणी
श्री वेद प्रकाश शर्मा मो.-08588835719
श्री प्रवंजन साहु मो.-08588835718
सी-7/232, सेक्टर-8, स्वीमिंग पूल के पास, रोहिणी, दिल्ली-85

लोनी
दानदाता : डॉ. जे.पी. शर्मा, 9818572693
साधक : धर्मेश गर्ग, 7023101156
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद (यू.पी.)

मथुरा
श्री नवनीत सिंह पंवार, मो.-7023101163
77-डी, कृष्णा नगर, मथुरा (उ.प्र.)

मोदीनगर, यू.पी.
भानू तंवर,
एस.आर.एम. कॉलेज के सामने, मॉर्डन एकेडमी स्कूल के पास, मोदीनगर

बड़ौदा
श्री जितेश व्यास
मो. 09529920081
म.नं.-बी-13 बी, एस.टी. सोसायटी, टीबी हॉस्पीटल के पीछे, गोत्री रोड, बड़ौदा - 390021

हाथरस
श्री जे.पी. अग्रवाल, मो. 09453045748
एलआईसी बिल्डींग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस (यू.पी.)

शाहदरा, दिल्ली
डॉ. राजीव मिश्रा, बी-85, ज्योति कॉलोनी, दुर्गापुरी चौक, शाहदरा, दिल्ली-32

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग
मो. 9996990807, गर्ग
मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

गाजियाबाद
श्री भंवर सिंह राठौड़
मो. 08588835716
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान, दिल्ली गेट गाजियाबाद (उ.प्र.)

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र, नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, नारायण कृत्रिम अंग निर्माण एवं केलिपर सृजन वर्कशॉप

अहमदाबाद
श्री कैलाश चौधरी
मो. 09529920080
सी-5, कौशल अपार्टमेन्ट,
शाहीबाग अण्डर ब्रीज के नीचे,
शाहीबाग, अहमदाबाद (गुजरात)

3/28, गुजरात हाऊसिंग सोसायटी नियर बापू नगर पुलिस स्टेशन अहमदाबाद (गुजरात)

हैदराबाद
श्री महेन्द्रसिंह रावत, 09573938038
4-7-123, लीलावती भवन
संतोषी माता मंदिर के पास,
इसामिया,बाजार, हैदराबाद

बैंगलोर
श्री खुबीलाल मेनारिया, मो.: 09341200200
म.नं.-507/4, (129-2) न्यू डायगोनल रोड़,
भीमा ज्वेलर्स के पीछे 3-ब्लॉक,जयानगर, बैंगलूरू

इन्दौर
श्री जितेन्द्र पटेल, 09529920087
जी-1, विनीत श्री सम्पदा, 14 कल्पना लोक कॉलोनी, चन्द्रलोक रिक्शा स्टेण्ड गली, आनन्द बाजार के पास,खजराना मैन रोड़, इन्दौर

फतेहपुरी , दिल्ली
श्री जतनसिंह भाटी,मो.- 8588835711
09999175555, कटरा बरियान,
अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

सूरत
श्री अचल सिंह,मो. 09529920082,
27, सम्राट टाऊन शीप,सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया

2/865 हीरा मोदी गली सगरामपुरा, सब जेल के सामने,रिंग रोड,सूरत

अलीगढ़
श्री योगेश निगम
मो. 7023101169
एम.आई.जी. -48,विकास नगर
आगरा रोड़, अलीगढ़ (यू.पी)

जयपुर
श्री विक्रम सिंह चौहान
मो. 9928027946
बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी
हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर
बी-50-51 सनराईज सिटी,
मोक्ष मार्ग निवारू
झोटवाड़ा,जयपुर

आगरा
श्री ज्ञान गुर्जर
मो. 7023101174
127, नोर्थ विजय नगर कोलोनी
राधा कृष्ण मन्दिर के पास, पंजाब नेशनल बैंक के पीछे,आगरा (उ.प्र.)

मानव जी के प्रेरणा पुंज

स्व. आचार्य श्री राम शर्मा एवं भगवती देवी जी

श्री मानव जी के पूज्य पिताश्री स्व. श्री मदन लाल जी एवं मातुश्री सोहिनी देवी जी

संस्थान के सम्बल

स्व. श्री राजमल जी 'एस.' जैन
चेयरमैन, भैरव नेत्र यज्ञ समिति,बिसलपुर, पाली (राज.)

स्व. डॉ. आर.के. अग्रवाल
विख्यात कैंसर रोग विषेशज्ञ

स्व. श्री पी.जी. जैन
गौरेगांव/हरियामाली (सोजत रोड़)

स्व.श्री चैनराज जी लोढा
मुम्बई/घाणेराव (पाली)

आपश्री का हार्दिक आभार

श्रीमती मालती रमेश कुमार जी,जलगांव (महा.)

श्री एवं श्रीमती सुशील कुमार शर्मा
छतरपुर (मध्य प्रदेश)

स्व.श्री रतन लाल जी
चूरू (राजस्थान)

श्री सुरेश चन्द सिंघल-श्रीमती कैलाशवती
अजमेर (राजस्थान)

स्व.श्रीमती सावत्री देवी जी, चूरू (राजस्थान)

स्व. मेजर श्री एम.एल. सिंघल-श्रीमती प्रेमलता सिंघल, गुडगांव (हरियाणा)

आपकी अपनी संस्था

दीन-दुःखियों की सेवा में 24 घण्टे सेवारत संस्थान/ट्रस्ट जिसमें निःशुल्क सेवा की जाती है। इस सेवाकार्य में आपश्री का एक सहयोग किसी दीन-दुःखी, दिव्यांग के चेहरे पर अपार खुशियाँ ला सकता है। आज ही जुड़ें इस सेवा कार्य में-मान्यवर।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पेन कार्ड नम्बर AAATN4183F, टेन नम्बर JDHN01027F

Bank Name	BranchAddress	RTGS/NEFTCode	Account
ALLAHABAD BANK	-3,BapuBazar	ALLA0210281	50025064419
AXIS BANK	-UitCircle	UTIB0000097	097010100177030
BANK OF INDIA	-H.M.Sector-5	BKID0006615	661510100003422
BANK OF BARODA	-H.M,Udaipur	BARBOHIRANM	30250100000721
BANK OF MAHARASHTRA	Arihant Complex Plot No. 16, Thoran Banwre City Station Marg,udaipur	MAHB0000831	60195864584
CANARA BANK	Madhuban	CNRB0000169	0169101057571
CENTRAL BANK OF INDIA	UDAIPUR	CBIN0283505	00000001779800301
HDFC BANK	358-Post Office Road, Chetak Circle	HDFC0000119	50100075975997
ICICI Bank	-Madhuban	ICIC0000045	004501000829
IDBI Bank	-16SaheliMarg	IBKL0000050	050104000157292
KOTAK MAHINDRA BANK	-8-C, Madhuban	KKBK0000272	0311301094
PUNJAB NATIONAL BANK	-KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
UNION BANK OF INDIA	-UdaipurMain	UBIN0531014	310102050000148
STATE BANK OF INDIA	-H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
VIJAYA BANK	Gupteshwar Road Titardi	VIJB0007034	703401011000095
YESBANK	-GoverdhanPlaza	YESB0000049	004994600000102

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

नारायण सेवा संस्थान

'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

विभिन्न चैनलों पर संस्थान के सेवा कार्य

भारत में संचालित

- **आस्था** 9.00 am- 9.20 am, 7.40 pm- 7.55 pm
- **संस्कार** 7.50 pm- 8.10 pm
- **आस्था** 7.40 am- 8.00 am
- **जी.टी.वी.** 5.00 am- 6.00 am
- **पारस टी.वी.** 4.20 pm- 4.38 pm
- **अरिहन्त** 7.30 pm- 7.50 pm
- **(सत्संग)** 7.10 pm- 7.30 pm

विदेश में संचालित (हिन्दी)

- **संस्कार** 7.40 pm- 8.00 pm
- **आस्था (यू.के/यू.एस.ए.)** 8.30 am- 8.45 am
- **जी.टी.वी.** 8.30 am- 8.45 am
- **एम.ए.टी.वी. (यू.के)** 8.30 am- 8.45 am

विदेश में संचालित (अंग्रेजी)

- **JUS PUNJABI** 4.30 pm-4.40 pm (Sat-Sun only)
- **APAC** 8.30 am -9.00 am
- **SOUTH AFRICA** 8.00 am -8.30 am (CAT)
- **UK** 8.30 am - 9.00 am
- **USA** 7.30 am - 8.00 am (ET)
- **MIDDLE EAST** 8.30 am -9.00 am (UAE)

Seva Soubhagya 1 March, 2019 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2017-2019. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 3,60,000) cost- Rs.5/-

पढ़ने-लिखने का मिलेगा उपहार डॉक्टर इंजीनियर बनने का सपना होगा साकार

ट्रस्ट द्वारा संचालित निःशुल्क 'अपना-घर' में गरीब, असहाय, निर्धन व वनवासी क्षेत्र के बच्चों के लिए शिक्षा, संस्कार, भोजन व आवास की 'निःशुल्क' व्यवस्था हेतु 'आपश्री' का सहयोग सादर प्रार्थनीय है।

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें :

0294-6622222,
09649499999

Paytm
Accepted Here

Narayan Seva Sansthan Udaipur Ashram 1

अच्छे काम के लिए आज ही योगदान करें। किसी गरीब जरूरतमंद बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने में-पे एटीम के माध्यम से.... आपका सहयोग दिव्यांगों की मुस्कान